

विविध आयाम

डॉ. कमलेश पाल

डॉ. अखिलेश पाल

CONSTITUTION CONGRESS TRUST NATIONS PRESIDENT DEMOCRACY SOCIALISM
INDIAN SOCIETY
FEDERAL DIPLOMACY DECISION VALUES TACTICS
HYPOCRISY POLITICS PARTIES FOREIGN POLLS REGULATIONS COMMUNISM
CORRUPTION INSTITUTIONS GOVERNMENT RIGHT MONARCH
REGULATION FAIRNESS ACTION DECENCY LEFT CONTROL HONOR
CAPITALIST STANDARDS VIRTUE CAMPAIGN TACTICS CIVILIAN
LEGISLATURE MONETARY SOCIALISM CITIZENS POLICY CTATOR
UNION

3

भारत में जाति व्यवस्था का ऐतिहासिक स्वरूप

डॉ. श्रद्धा गर्ग, अभिशेक अग्रवाल

सारांश

जाति व्यवस्था विशेषतः भारतीय समाज में जन्म के आधार निर्धारित होने वाली व्यवस्था है। जिसका मूल धर्म एवम् धर्मग्रन्थ माने गए हैं। 'जाति एक ऐसी सोपानबद्ध समाजव्यवस्था मानी जाती रही है, जिसके मूल उस धार्मिक सिद्धान्त में समाहित हैं, जो सामाजिक समूहों को जन्मजात पवित्र या अपवित्र प्रस्थिति प्रदान करता है और इन स्थितियों की वैधता सिद्ध करने के लिए कर्म के सिद्धान्त का सहारा लेता है। जाति व्यवस्था भारतीय समाज में जन्म के आधार निर्धारित होने वाली व्यवस्था है। जिसके बीज प्राचीन काल से देखने को मिलते हैं, किन्तु इसकी वर्तमान विकृत व्यवस्था आधुनिक काल की देन है। भारत जाति-व्यवस्था के कारण ही अलग-अलग इकाईयों में बंटा हुआ है।

मुख्य शब्द: जाति व्यवस्था, भारतीय समाज, इतिहास, स्वरूप

ऋग्वैदिक कालीन समाज में जाति व्यवस्था के उदाहरण नहीं मिलते हैं, यद्यपि इस काल में वर्ण-व्यवस्था का प्रारम्भ हो चुका था, जो कर्म पर आधारित व्यवस्था थी। उत्तर वैदिक काल में वर्णों में कठोरता आने लगी थी और अब वे 'जाति' के रूप में परिणत होने

Published by

HSRA Publications 2020
#02, Sri Annapoorneshwari Nilaya, 1st Main,
Byraveshwara Nagar, Laggere,
Bangalore – 560058

Sales Headquarters – Bangalore

Copyright © DR. KAMLESH PAL & DR, AKHILESH PAL 2020

This book has been published with all reasonable efforts taken to make the material error-free after the consent of the respective authors. No part of this book shall be used, reproduced in any manner whatsoever without written permission from the editors, except in the case of brief quotations embodied in critical articles and reviews. The Authors of the respective chapters of this book is solely responsible and liable for its content.

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, transmitted or